Title : Speaker urged the Members for positive discussion during question hour

माननीय अध्यक्ष **:** माननीय सदस्यगण, विषय महत्वपूर्ण था, इसलिए मैंने सबको एलाउ किया। लेकिन, इस सदन के अन्दर एक सार्थक चर्चा होनी चाहिए।

यह प्रश्न परीक्षाओं से संबंधित था। आप सबको पता है कि देश में अलग-अलग राज्यों में अलग-अलग दलों की सरकारें रहीं। उनमें आपके दल की सरकार भी रही, अन्य दलों की भी सरकारें रहीं। वहां भी कई बार प्रश्न-पत्र लीक हुए और परीक्षाओं पर प्रश्न उठे।

? (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष **:** माननीय सदस्यगण, आप मेरी पूरी बात सुनिए। कृपया बैठ जाइए।

? (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष **:** हमारा सवाल है कि यहां हम यह चिंता करने के लिए बैठे हैं कि भविष्य में हमारे विद्यार्थियों के भविष्य पर कोई सवाल न उठे, इसलिए किस तरीके का मैकेनिज्म डेवलप करें, परीक्षाओं का एक बेहतर सिस्टम कैसे डेवलप करें, इसके लिए सबके सुझाव आएं। उनमें से जो उत्तम सुझाव होंगे, सरकार भी उसे मानेगी। लेकिन, अगर हम सारी परीक्षाओं पर सवाल उठाएंगे तो कई राज्यों में कई दलों की सरकारें हैं, जो परीक्षाएं आयोजित करती रहती हैं। अगर हम सारी परीक्षाओं पर सवाल उठाएंगे तो उन परीक्षाओं में जो बच्चे उत्तीर्ण होते हैं, उनके भविष्य पर, भारत की परीक्षाओं पर और पूरे विश्व में भारत की शिक्षण-व्यवस्था पर एक गम्भीर असर पड़ेगा, जो सदन की चिंता का विषय है।

? (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष **:** इसके लिए सभी राज्यों ने अपने-अपने यहां कानून बनाए हैं, संसद ने भी कानून बनाए हैं। कानून बनाने के अलावा, इस विषय की जांच एजेंसी कर रही है, कोर्ट निगरानी कर रही है। हमारा यह सवाल होना चाहिए कि कैसे हम सकारात्मक रूप से सुझाव देकर इस सिस्टम को बेहतर कर सकें। सदन केवल आरोप-प्रत्यारोप से नहीं चलता है, आप एक बेहतर सिस्टम डेवलप कीजिए। सारी परीक्षाओं पर सवाल उठाना सदन के लिए उचित नहीं है। यह सदन उसके लिए कोई प्लेटफॉर्म नहीं है।

? (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष **:** प्रश्न काल में मैंने सबको सवाल उठाने दिया। एक बार सवाल उठाने के बाद दोबारा सवाल उठाने नहीं दिया जाता है।

? (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष **:** संसद नियम-प्रक्रियाओं से चलती है और मैंने नियम-प्रक्रियाओं से चलाया।

? (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष **:** मैंने सदन की चिंता सरकार को बता दी है और आप सबको भी बता दी है।